मक्का पर फॉल आर्मीवर्म के हमले की रोकथाम के लिए पीएयू की सलाह

मक्का में फॉल आर्मीवर्म के प्रसार को रोकने के लिए, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू), लुधियाना ने किसानों को कीट हमले की रोकथाम के लिए फ़सल की नियमित निगरानी करने की सलाह दी है। मक्का पर फॉल आर्मीवर्म के हमले को नियंत्रित करने के लिए विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने निम्नलिखित उपाय सुझाए हैं:

बुवाई का ढंग:

- मक्का की बुवाई सुझाए गए समय के अनुसार करें, ताकि कीटों के लिए मक्का की उपलब्धता कम हो सके।
- चारा मक्का की बुवाई मध्य-अप्रैल से मध्य-अगस्त के दौरान ही करें।
- साथ लगते खेतों में कम अंतराल पर मक्का की बुवाई न करें।
- चारा मक्का में लोबिया/बाजरा/ज्वार मिलाकर बोएं।

कीटनाशकों से रोकथाम

- 0.5 मिलीलीटर डेलीगेट 11.7 एस सी (स्पाइनटोरम) या 0.4 मिली कोराजन 18.5 एस सी (क्लोरेंट्रानिलिप्रोल) या 0.4 ग्राम मिसाइल 5 एस सी (एमेमेक्टिन बेंजोएट) प्रति लीटर पानी में घोलें और मक्का के पौधों के डंठल में छिड़काव करें।
- 20 दिनों की फ़सल के लिए प्रति एकड़ 120 लीटर घोल का प्रयोग करें और फ़सल के बढ़ने के आधार पर घोल को 200 लीटर प्रति एकड़ तक बढ़ा दें।

चेतावनी

- कोराजन के छिड़काव के बाद 21 दिन तक पशुओं को चारा न दें।
- घोल तैयार करने और छिड़काव के लिए दस्ताने पहनें।